Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 4, Issue - 2, Feb- 2021
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.871
Received on : 15/02/2021 Accepted on : 27/02/2021 Publication Date: 28/02/2021

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति कला संकाय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

[1] रजनी कांत दीक्षित, [2] सुनील कुमार

[1] शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, ख़्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ
Email- rajnikantdixit2014@gmail.com

[2] सहायक प्राध्यापक, कालीचरण पी॰जी॰ कॉलेज, लखनऊ
Email- sunilkumar19720@gmail.com

शोध सारांश: वर्तमान अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध चार चयनित डिग्री कॉलेजों से यादृच्छिक रूप से चयनित 50 स्नातक छात्रों और 50 स्नातक शिक्षकों पर किया गया जिससे विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में लागू सेमेस्टर प्रणाली के प्रति उनकी अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके। सेमेस्टर प्रणाली के पांच आयामों-पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम कवरेज और कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों और शिक्षण, मूल्यांकन और प्रतिक्रिया के तरीकों और संसाधनों की उपलब्धता के प्रति स्वनिर्मित अभिवृति मापनी के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण प्रतिशत, मध्यमान, मानक विचलन एवं दो मध्यमनो के अंतर की सार्थकता (***C.R.)*** आदि सांख्यकीय विधियों का उपयोग करके किया गया है। शोध परिणाम से पता चला है कि आंतरिक मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन के प्रति छात्रों की धारणा काफी संतोषजनक नहीं है । अधिकांश उत्तरदाताओं को भी सीजीपीए में मूल्यांकन समझ में नहीं आता है । अध्ययन में सेमेस्टर प्रणाली को प्रभावी और सफल बनाने के लिए डिग्री कॉलेजों में आवश्यक संसाधनों विशेष रूप से सूचना संसाधनों की कमी का पता चला । इस तरह, वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों से सभी हितधारकों द्वारा न्यूनतम संसाधनों और सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए रणनीतियों को विकसित करने की आवश्यकता उत्पन्न होती है, जिनका सीधा असर छात्रों की उपलब्धि पर पड़ता है ।

बीज शब्द : सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली, अभिवृत्ति, शिक्षक, शिक्षार्थी, मूल्यांकन ।

1. प्रस्तावना :

सेमेस्टर प्रणाली एक शिक्षा प्रणाली है, जिसकी शिक्षा के बजाय सीखने में प्राथमिक चिंता है । इस प्रणाली का दृष्टिकोण छात्र केंद्रित है, न कि शिक्षक केंद्रित है । सेमेस्टर प्रणाली का उद्देश्य आवश्यक ज्ञान , कौशल और दृष्टिकोण का विकसित करके छात्रों के क्षमता निर्माण के उद्देश्य से निरंतर कंप्रेसिव और गहराई से सीखने पर जोर देना है । हालाँकि , वार्षिक प्रणाली को लेकर शिक्षाविदों के बीच सेमेस्टर प्रणाली के पक्ष में अधिक संख्या में तर्क हैं , फिर भी इस योजना को खराब भौतिक और सूचना स्रोतों के प्रभावी रूप से बनाने के लिए विशेष रूप से भारतीय उच्चतर शिक्षा प्रणाली के मामले में एक चुनौती बनी हुई है । यद्यपि सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम को बढ़ाती है , फिर भी सभी संबंधितों के लिए त्वरित सीखने के अवसरों को प्रोत्साहित करती है और उनका समर्थन करती है . फिर भी शिक्षक और छात्र सेमेस्टर प्रणाली के कार्यान्वयन से पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हैं क्योंकि इसने सभी हितधारकों को अपेक्षित लाभ नहीं दिया है और इसलिए सेमेस्टर प्रणाली ने अपनी वैधता पर नवीन प्रश्न उत्पन्न किये है ।

2. संबंधित साहित्य सर्वेक्षण:

हुसैन, हबीबा.(2009) . ने शिक्षार्थियों की मूल्यांकन प्रकिया में सुधार हेतु अध्ययन किया । और परिणाम में 90% अध्यापकों ने शिक्षार्थियों की उपलब्धि में वृद्धि के लिए वार्षिक मूल्यांकन के स्थान पर सेमेस्टर विधि का समर्थन किया है । जिससे शिक्षार्थियों को अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त हो सके । शिक्षार्थियों का सतत मूल्यांकन , मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता एवं विश्वसनीयता में वृद्धि हो , शिक्षार्थियों का व्यक्तिगत मूल्यांकन तथा उत्तरदायित्व पूर्ण शिक्षार्थियों का निर्माण किया जा सके ।

मुंशी, प्रवीन .(2011) . इस अध्ययन के परिणाम से पता चला है , कि अधिकांश छात्र पक्षपात और व्यक्तिवाद जैसी कई कमियों के कारण परीक्षा की सेमेस्टर प्रणाली से असहमत थे । छात्रों ने परीक्षा के सेमेस्टर प्रणाली के अन्य नकारात्मक पहलुओं की भी आलोचना की । इसके विपरीत , शिक्षक छात्रों की धारणा की तुलना में परीक्षा की सेमेस्टर प्रणाली से कुछ हद तक सहमत हैं ।

पाठक, एवं . रहमान.(2013) . वर्तमान अध्ययन गौहाटी विश्वविद्यालय से संबद्ध चार चयनित डिग्री कॉलेजों के स्नातक छात्रों और शिक्षकों पर किया गया था । शोध के परिणाम से पता चला है कि आंतरिक मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन के प्रति शिक्षकों एवं छात्रों का दृष्टिकोण संतोषजनक नही है । सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के लिए कालेजों के पास उपयुक्त संसाधनों का अभाव है ।

पाबला, एम . सिंह .(2014) .इस अध्ययन के निष्कर्ष निम्न प्रकार है , भारत में सेमेस्टर प्रणाली पश्चिमी देशों को देखकर लागू की गई है , इस प्रणाली के परिणाम उत्साहजनक नहीं है सेमेस्टर प्रणाली भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अनुरूप नहीं है भविष्य में वार्षिक परीक्षा प्रणाली लागू होने की संभावना प्रतीत हो रही है ।

जैन, पारस (2017) ने अपने शोध में निम्न परिणाम प्राप्त किये है । छात्रों के लिए सेमेस्टर प्रणाली अधिक चुनौतीपूर्ण है, जबकि शिक्षकों और कॉलेज प्रबंधन के लिए हर छह महीने में परीक्षा आयोजित करना मुश्किल है । यह छात्रों , कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर बोझ साबित हुआ । उच्च शिक्षा के संस्थानों में सेमेस्टर प्रणाली को वार्षिक प्रणाली से बेहतर माना जाता है , क्योंकि छात्रों को पूरे वर्ष भर व्यस्त रखा जा सकता है । सेमेस्टर प्रणाली गलती नहीं है, लेकिन यह भारतीय विश्वविद्यालयों के मोंडल के अनुरूप नहीं है।

3. समस्या कथन:

'लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति कला संकाय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन'।

4. अध्ययन के उद्देश्य:

- लखनऊ नगर मे स्थित स्नातक महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन ।
- लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन ।
- लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों और विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन ।

5. अध्ययन की परिकल्पना :

- लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति सकारात्मक है ।
- लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षार्थियों की अभिवृत्ति सकारात्मक है ।
- लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों और शिक्षार्थियों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।

6. शोध विधि: प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक विधि के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि को प्रयोग में लाया गया है ।

अध्ययन की जनसंख्या - लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कला संकाय के स्नातक महाविद्यालयों में पढ़ने एवं पढ़ाने वाले समस्त शिक्षार्थी एवं शिक्षक को इस अध्ययन में शोध जनसंख्या के रूप में प्रयोग में लाये गए है ।

न्यादर्शन विधि एवं न्यादर्श - प्रस्तुत अध्ययन में लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त कला संकाय के स्नातक महाविद्यालयों में से लॉटरी विधि द्वारा कुल चार महाविद्यालय चुने गये जिसमें से गुच्छ प्रतिदर्शन द्वारा 50 शिक्षकों एवं 50 शिक्षार्थियों का न्यादर्श लिया गया है ।

उपकरण एवं आंकड़ों का संकलन - लिकर्ट अभिवृत्ति मापनी के आधार पर स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त स्नातक महाविद्यालयों के कला संकाय से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अभिवृत्ति को एकत्रित कर उनके प्राप्तांकों का योग प्राप्त किया गया ।

प्रयुक्त सांख्यिकी - शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्राप्तांकों से अभिवृत्ति ज्ञात करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं दो मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता (*C·R·*) आदि सांख्यकीय विधियों का प्रयोग किया गया है ।

परिकल्पना की जांच एवं आकड़ो का विश्लेषण आंकड़ो का तालिका प्रदर्शन

क्र· स·	शोधसमूह	संख्या	मध्यमान	मानकविचलन	मानकत्रुटि	कांतिकअनुपात	विश्वासस्तर	निष्कर्ष
1·	शिक्षक	50	70·91	12·05	2·36	1·61	0·05	असार्थक

2·	छात्र	50	68·32	11·52	2·36	1·61	0·05	असार्थक

प्रथम परिकल्पना, लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति सकारात्मक है । इस परिकल्पना की जांच के लिए उपरोक्त तालिका में जो आंकड़े प्राप्त हुये है उसके अनुसार स्नातक स्तर पर शिक्षकों का मध्यमान 70.91 है । अतः हम यह कह सकते है की विश्वविद्यालय द्वारा लागू की गई सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों में सकारात्मक अभिवृति पायी गई है । इससे हमारी प्रथम परिकल्पना सत्य प्रमाणित हुई है ।

द्वितीय परिकल्पना, लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षार्थियों की अभिवृत्ति सकारात्मक है । इस परिकल्पना की जांच के लिए उपरोक्त तालिका से जो आंकड़े प्राप्त हुये है उसके अनुसार स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का सेमेस्टर शिक्षा के संबंध में मध्यमान 64.32 है । अतः इस परिकल्पना के सम्बंध में हम यह कह सकते है कि सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के सम्बंध में विद्यार्थियों में सकारात्मक अभिवृति पायी गयी है । इससे हमारी दूसरी परिकल्पना भी सत्य प्रमाणित होती है ।

तृतीय परिकल्पना , लखनऊ नगर में स्थित महाविद्यालयों में कला संकाय में स्नातक पर सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षकों और शिक्षार्थियों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है । इस परिकल्पना की जांच के लिए उपरोक्त तालिका से जो आंकड़े प्राप्त हुये है उसके अनुसार क्रांतिक मान 1.61 है जोकि 0.05 विश्वासस्तर के मान 1.96 से कम है । इसलिये यह कह सकते है कि दोनों मध्यमानो के बीच सार्थक अंतर नहीं है । इस आधार पर हमारी तृतीय परिकल्पना भी सत्य सिद्ध पायी जाती है ।
इसके अतिरिक्त प्रयुक्त अभिवृति मापनी में दो उदासीन कथन प्रयुक्त हुये है । इन दोनों कथनों के प्रति शिक्षकों एवं छात्रों की अभिवृति निम्न है

प्रथम कथन - सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली छात्रों को शिक्षकों एवं कॉलेजों पर ज्यादा निर्भर बनाने का प्रयास करती है इस कथन के संदर्भ में 38% शिक्षक एवं 58% छात्र असहमत है ।

द्वितीय कथन- सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली लागू होने से छात्रों पर अनावश्यक शैक्षिक बोझ डाल दिया गया है । इस कथन के संदर्भ में 62% शिक्षक एवं 58% छात्र असहमत है ।

7. निष्कर्ष :

चूंकि स्नातक स्तर पर प्रारम्भिक अनुभव के रूप में लागू सेमेस्टर शिक्षण प्रणाली में ऐसा पाया गया कि सेमेस्टर को नियमित रखने में मूल्यांकन प्रक्रिया की देरी के कारण नये सत्र के प्रवेश सही समय से नहीं हो पा रहा हैं अत : यदि समय से छात्रों के प्रवेश और मूल्यांकन की समस्या को सुलझाया जा सके तो अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि निश्चित ही समेस्टर प्रणाली छात्रों की गुणात्मक शिक्षा में एक सकारात्मक योगदान है , जिसे उद्देश्यपूर्ण प्रश्नपत्रों के माध्यम से और अधिक उपयोगी बनाकर छात्रों का गुणात्मक मूल्यांकन बढ़ाया जा सकता है तथा शिक्षा के सार्वभौमिक उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है । विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अभिवृत्ति में सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के प्रति कोई सार्थक अन्तर नहीं है तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों की शिक्षा प्रणाली के प्रति अभिवत्ति लगभग समान रूप से सकारात्मक है अर्थात शिक्षक एवं विद्यार्थी सेमेस्टर शिक्षा प्रणाली के द्वारा शैक्षिक प्रगति की अपेक्षा करते हैं क्योंकि इससे दोनों पूरे सत्र सक्रिय रहे , पाठन की क्रिया में संलिप्त रहते हैं , पाठ्यक्रम का बोझ कम हो जाता है तथा छात्रों का मूल्यांकन और अधिक व्यापक , सतत एवं नियोजित हो जाता है ।

8. सुझाव :

इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय स्तर में स्नातक स्तर पर परीक्षा की सेमेस्टर प्रणाली में सुधार के लिए निम्नलिखित सुधार किए जा सकते है
* शिक्षकों को पक्षपात और पूर्वाग्रहों की संभावना को समाप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए ।
* शिक्षकों को प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन के अनुसार निष्पक्ष रूप से सत्रीय अंक प्रदान करना चाहिए ताकि विद्यार्थी संतुष्ट हो सकते हैं ।

⋆ शिक्षकों को छात्रों को पाठ्यसहगामी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग हैं ।
⋆ शिक्षकों को छात्रों के लेखन कौशल में सुधार के लिए सत्र के दौरान वर्णनात्मक परीक्षाएं भी चाहिए ।
★ सभी शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए ताकि परीक्षा के सेमेस्टर सिस्टम से संबंधित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वे अपनी योग्यता में सुधार कर सकें ।

संदर्भग्रंथ :

1.हुसैन, हबीबा.(2009).इंप्रूविंग स्टूडेंट्स इवेलुएशन, क्वालिटी एजुकेशन, ए.पी.एच.पब्लिशिंग कारपोरेशन.नई दिल्ली।
2. मुंशी, प्रवीण एवं अन्य.(2011). एग्जामिनेशन इन सेमेस्टर सिस्टमः व्हाट इज ऑब्जरवेशन ऑफ फैकल्टी एण्ड स्टूडेंट्स, द एस. यू.जनरल ऑफ एजुकेशन. वॉल्यूम. 41पीपी 76-92
3. सिंह, अरुण. कुमार.(2011). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां.(नवम् संस्करण). मोतीलाल. बनारसीदास. दिल्ली, चेन्नई, पटना, मुम्बई.
4 पाठक,एंड रहमान.(2013). परसेप्शन ऑफ स्टूडेंट एंड टीचर्स टावर्डस सेमेस्टर सिस्टमः ए स्टडी इन सेम सिलेक्टेड डिग्री कॉलेज ऑफ नागाओं टाउन आफ नागाओं डिस्टिक आफ असम, जनरल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस वॉल्यूम नंबर. 4. 1
5. पाबला, एम.सिंह.(2014).ए पैराडाइज शिफ्ट फ्रॉम सेमेस्टर सिस्टम एनुअल सिस्टम. इंडियन जनरल ऑफ रिसर्च पैरिपेक्स. वॉल्यूम.3 नंबर.4
6.बहादुर, केसी.(2014). कंपैरेटिव स्टडी ऑफ सेमेस्टर सिस्टम एंड एनुअल सिस्टम आफ फैकेल्टी ऑफ एजुकेशन. त्रिभुवन युनिवर्सिटी.काठमांडू नेपाल।
7.जैन, पारस.(2017). स्टडी अबाउट फेलियर सेमेस्टर सिस्टम फार जनरल कोर्सेज.एम.पी.इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च साइंस एंड मैनेजमेंट वॉल्यूम 4.(6)
8.मंगल, एवं मंगल.(2017).व्यावहारिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियां पी.एच.आई.लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली.